DR. C.V.RAMAN UNIVERSITY

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with B+ Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.)
Ph. : 07753-253 801 Fax : 07753-253728
e-mail : info@cvru.ac.in, visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.58 / कु.स. / सी.वी.आर.यू. / 2023 बिलासपुर, दिनांक : 05.06.2023

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह मई – 2023 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा माह मई – 2023 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

for Rakesh Mishra
कुलसचिव

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– मई – 2023

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	<u>फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी</u> बी. ई. (कम्प्यूटर साईंस) बी. ई. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल) बी. ई. (मेकनिकल) बी. ई. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) <u>फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन</u> बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) <u>फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन</u> बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.)

		मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.) मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेजुएट डिलोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र) एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य) एम. ए. (संस्कृत साहित्य) एम. ए. (भूगोल) एम. ए. (शिक्षा) एम. ए. (राजनीति शास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (इतिहास) एम. ए. (समाज शास्त्र) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. ललित कला फैकल्टी ऑफ जर्नालिज्म एण्ड मास कामुनिकेशन बी. जे. एम. सी. एम. जे. एम. सी. फैकल्टी ऑफ साईंस बी. एस. सी. (जीव.) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र)

		एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी) एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) <u>फैकल्टी ऑफ लॉ</u> बी.ए.एल.एल.बी बी.काम. एल.एल.बी. एल.एल.बी. एल.एल.एम. <u>फैकल्टी ऑफ फार्मेसी</u> बी. फार्मा डी. फार्मा <u>शोध पाठ्यक्रम</u>
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर

		शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 26.12.2022 को किया गया था एवं दिनाक 25.01.2023 को सदस्य अकाद्मिक डॉ. अंजना शर्मा जी द्वारा विश्वविद्यालय के अकाद्मिक विभाग का अकाद्मिक विजिट किया गया। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं

		के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में ड्रोन एकेडमी खोलने की तैयारी की गई है। इसके लिये कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप, ड्रोन टेक्नोलॉजी इन एडवांस जियोस्पेशियल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस रिसर्च एंड इंफार्मेशन कोलकाता के संचालक के द्वारा विद्यार्थियों को ड्रोन टेक्नोलॉजी के बारे में विस्तार से बताया गया। यह आयोजन सेंटर फॉर जीआईएस रिमोट सेंसिंग, सामाजिक विज्ञान विभाग, सेंटर फॉर एक्सीलेस ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, आईक्यूएसी एवं आईआईएआरआई कोलकाता द्वारा

			संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।
		–	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में डिजाईन एंड डेवलपमेंट ऑफ इफेक्टिव प्रेजेंटेशन विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय और आईक्यूएसी सेल के माध्यम से आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पुष्कर दुबे, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन सहायक प्रोफेसर, पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय उपस्थित थे। पहला दिन :– कार्यशाला का पहला सत्र उद्घाटन सत्र था, जिसकी शुरुआत विश्वविद्यालय के माननीय प्रो वाइस चांसलर डॉ जयति चटर्जी मित्रा की सम्मानित उपस्थिति के साथ हुई। सत्र का शुभारंभ करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. निकेत शुक्ला ने बताया कि क्या रणनीति होनी चाहिए। प्रस्तुतियाँ पेशेवर या तकनीकी संचार के सबसे दृश्यमान रूपों में से एक हैं जो आपको कभी भी करना होगा। प्रेजेंटेशन देने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होती है? यह केवल आपके दर्शकों के सामने खड़े होने और मौखिक रूप से आपकी जानकारी देने से कहीं अधिक है। उद्घाटन सत्र में प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण के साथ ही 65 प्रतिभागी भी उपस्थित थे। दूसरा दिन :– दूसरे दिन के सत्र की चर्चा की शुरुआत माननीय सम कुलपति एवं समन्वयक आईक्यूएसी जयती चटर्जी ने सत्र का नेतृत्व किया। सत्र का उद्घाटन करते हुए प्रस्तुति की योजना बनाने, आयोजन करने और लिखने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया तथा बताया गया कि प्रेजेंटेशन आदि देते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ सत्र में भाग लिया और प्रभावी प्रेजेंटेशन के महत्व को सीखने में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

		तैयारी में क्या करना है और एक प्रभावी प्रस्तुति देने के लिए आवश्यक कदम। प्रेजेंटेशन का उद्देश्य और फोकस स्ट्रक्चर क्या है और वह आइडिया दूसरे से कैसे जुड़ता है। इस सत्र में कुल 59 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीसरा दिन :– कार्यशाला के तीसरे और अंतिम दिन सत्र डॉ. पुष्कर दुबे द्वारा लिया गया था, इस सत्र में उन्होंने नैक के लिए प्रेजेंटेशन कैसे तैयार करें पर अपनी बात रखी। प्रेजेंटेशन बनाते समय क्या करें और क्या न करें पर ध्यान देने की जरूरत है। वे कौन सी आवश्यक बातें हैं जिन्हें शैक्षणिक स्तर के साथ–साथ प्रशासनिक स्तर पर भी स्लाइडों में शामिल करने की आवश्यकता है। प्रभावी प्रस्तुति देने के लिए हमें कितनी कुशलता से स्लाइड्स और युक्तियों को डिजाइन करना चाहिए। आगे बढ़ते हुए अंतिम सत्र शुरू हुआ जिसमें प्रतिभागियों को चर्चा करने और प्रश्न पूछने का अवसर दिया गया कि क्या उनके पास कोई प्रश्न है ताकि उन्हें प्रस्तुति तैयार करते समय कोई भ्रम न हो। प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण के साथ ही साथ कुल 85 प्रतिभागी उपस्थित थे।
		– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय और छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के बीच शोध, नवाचार और पेटेंट समेत कई विषयों पर एमओयू किया गया। इस समझौते के तहत सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय और छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद दोनों मिलकर अनुसंधान, नवाचार, उद्योग आधारित परियोजनाओं, सामाजिक सरोकार समेत कई क्षेत्रों में काम करेंगे। सीवीआरयू के छात्रों को शोध के क्षेत्र में एक बेहतरीन मंच और अवसर मिलेगा। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर, जो

		वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए काम करने वाली एक महत्वपूर्ण संस्था है, वैज्ञानिक नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। इस समझौते के तहत अब यूनिवर्सिटी और सीजी कास्ट विभिन्न क्षेत्रों में प्रोजेक्ट इनोवेशन और इनोवेटिव पेटेंट की दिशा में मिलकर काम करेंगे। विश्वविद्यालय के छात्र प्रशिक्षण और विकास के लिए भी काम कर सकेंगे। यहां छात्रों को सुविधाएं उपलब्ध होंगी। समझौते के उद्देश्यों में से एक यह है कि अग्रिम उद्योग संचालित अनुसंधान और नवाचार को मजबूत किया जाएगा। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय और भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सेना संगठन के साथ स्पेशल एमओयू साइन किया गया है। इस समझौते के तहत अब सीवीआरयू के छात्रों को शिक्षा के साथ राष्ट्रवाद की भावना और देश के प्रति उनकी जिम्मेदारी के बारे में जागरूक किया जाएगा। इसके लिए वेटरन्स इंडिया, दिल्ली की थल सेना, नौसेना और वायु सेना के सेवानिवृत्त फौजी सीधे विश्वविद्यालय से जुड़ेंगे। समझौते के मुताबिक थलसेना, नौसेना और वायुसेना के अधिकारी भी अपने जीवन के अनुभव साझा करेंगे। ताकि छात्रों को प्रेरणा मिले। इसके साथ ही अधिकारियों द्वारा भारत की रक्षा से संबंधित जानकारी भी दी जाएगी। खासकर डिफेंस के क्षेत्र में छात्रों को रोजगार के अवसर कैसे मिले, कैसे छात्र डिफेंस के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। इस संबंध में वह अपने अनुभव भी साझा करेंगे। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के बी. एस. सी. के छात्र श्री संतोष कुमार ने काश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा निकालकर पर्यावरण संरक्षण और मिशन लाइव का संदेश दिया है। इससे पूर्व भी छात्र ने बिलासपुर से नेपाल की यात्रा कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

		दिया था एवं हाल में ही नशा मुक्ति के लिये 13 मार्च से यात्रा प्रारंभ कर छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में नशा मुक्ति का संदेश दिया था। इसके पहले भी विश्वविद्यालय के द्वारा आई टी. यात्रा, कौशल विकास यात्रा एवं पुस्तक यात्रा के माध्यम से जागरूकता का संदेश एवं पुस्तक यात्रा के माध्यम से लोगों में पुस्तक पढ़ने के प्रति रूचि जागृत करने का प्रयास किया गया है। यह यात्रा 30 मई को डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड, कोटा से जिसे माननीय कुलपति प्रोफेसर रवि प्रकाश दुबे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा की दुरी लगभग 4000 किलोमीटर का होगा। – सत्र 2022–23 में शैक्षणिक गतिविधियॉं एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	– GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

for कुलसचिव